दैनिक
प्रातः कालीन
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 326 मुरादाबाद, 28 March 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कालरात्रि

एक वेणी जपाकर्णपूरा
नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी
तैलाभ्यक्तशरीरणी।।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टक
भूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा
कालरात्रिर्भयङ्करी।।

मां दुर्गा के सातवें स्वरूप को कालरात्रि कहा जाता है। मां कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत भयानक है लेकिन ये सदैव शुभ फल देने वाली मानी जाती हैं। इसलिए इन्हें शुभङ्करी भी कहा जाता है। दुर्गा पूजा के सप्तम दिन मां कालरात्रि की पूजा का विधान है। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में स्थित रहता है। उसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं। इस चक्र में स्थित साधक का मन पूर्णतः मां कालरात्रि के स्वरूप में अवस्थित रहता है। मां कालरात्रि दुष्टों का विनाश और ग्रह बाधाओं को दूर करने वाली हैं। जिससे साधक भयमुक्त हो जाता है।

यूपी निकाय चुनाव : ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने किया स्वीकार, सीएम योगी ने फैसले का किया स्वागत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार समयबद्ध ढंग से नगरीय निकाय चुनाव कराने हेतु प्रतिबद्ध है। उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए योगी सरकार के पक्ष में बड़ा फैसला दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने निकाय चुनाव को लेकर योगी सरकार द्वारा बनाए गए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार्य कर लिया है। साथ ही कोर्ट ने दो दिनों के भीतर निकाय चुनाव का नोटिफिकेशन जारी करने की इजाजत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से निकाय चुनाव में ओबीसी के आरक्षण को बाधित करने के विपक्ष के मंसूबों को करारा झटका लगा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा ओबीसी आयोग की रिपोर्ट स्वीकार कर ओबीसी आरक्षण के साथ नगरीय निकाय चुनाव कराने का आदेश स्वागत योग्य है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार ओबीसी आरक्षण हेतु प्रतिबद्ध थी एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये समय सीमा के भीतर ही

सारी कार्यवाही कर ली। उन्होंने कहा कि विधि सम्मत तरीके से आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार समयबद्ध ढंग से नगरीय निकाय चुनाव कराने हेतु प्रतिबद्ध है।

बता दें कि निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर विपक्ष के लोगों ने बैकडोर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करवाई थी और सरकार के निर्णय को प्रभावित करने की कोशिश की थी। मामले पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने बिना ओबीसी आरक्षण के तत्काल निकाय चुनाव कराने का निर्णय दिया था, जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कर दिया था कि प्रदेश सरकार दलित, पिछड़ा समेत समाज के सभी वर्गों के लिए समर्पित है। बिना भेदभाव के सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ कार्य कर रही है। हम बिना ओबीसी आरक्षण के चुनाव नहीं कराएंगे। इसके बाद सरकार ने ओबीसी आयोग का गठन किया था और हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

जिस पर 27 मार्च को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के तत्काल चुनाव कराने के आदेश पर रोक लगाते हुए ओबीसी आरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए गठित आयोग को 31 मार्च के भीतर अपनी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आयोग ने अपना कार्य करना शुरू कर दिया। आयोग ने अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए 75 जिलों का दौरा किया और सर्वे के बाद नौ मार्च को सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी।

वहीं आयोग की रिपोर्ट और सिफारिशों को सरकार ने 15 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दिया था। जिस पर आज सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार के पक्ष में फैसला दिया है और आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार्य कर लिया है। साथ ही ओबीसी आरक्षण के साथ निकाय चुनाव कराने की अनुमति दे दी है।

मैं अब ज्यादा मक्खन लगाने को तैयार नहीं, वोट दो या ना दो-नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगर सही लगता है तो मुझे वोट दो, नहीं तो न दो। मैं अब बहुत ज्यादा मक्खन लगाने को तैयार नहीं हूं।

आपको लगा तो ठीक नहीं तो कोई नया आएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री अकसर अपने बेबाक बयानों से चर्चाओं में रहते हैं। इस बीच, नागरपुर की एक निजी संस्था कार्यक्रम में उन्होंने एक बार फिर ऐसा कुछ कहा, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर सही लगता है तो मुझे वोट दो,

नहीं तो न दो। मैं अब बहुत ज्यादा मक्खन लगाने को तैयार नहीं हूं। आपको लगा तो ठीक नहीं तो कोई नया आएगा। दरअसल, कार्यक्रम नागरपुर के वेस्टलैंड और वेस्टवाटर से जुड़े काम काम करने वाली एक संस्था ने आयोजित किया था। यह गडकरी के पसंदीदा विषय माने जाते हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा, वेस्टलैंड पर होने वाले अनेक प्रयोग हैं। मैं यह काम जिद्द से करता हूं। प्यार से करता हूं या ठोक के करता हूं। मैंने लोगों को भी बोल दिया है अब बहुत हुआ। मैं चुनकर आया हूं, अगर सही लगता है तो मुझे वोट दो नहीं तो न दो। मैं अब बहुत ज्यादा मक्खन लगाने को तैयार नहीं हूं। आपको लगा तो ठीक नहीं तो कोई और आएगा। गडकरी पहले भी इसी तरह के कुछ बयान दे चुके हैं। बीते कुछ महीनों पहले उन्होंने कहा था कि परेशान हर कोई है।

विधायक इसलिए दुखी हैं कि वे मंत्री नहीं बन पाए। मंत्री इसलिए दुखी हैं कि उन्हें अच्छा विभाग नहीं मिला। मुख्यमंत्री इसलिए दुखी हैं कि वो कब चले जाएंगे इसका कोई भरोसा नहीं है। यह बात उन्होंने राजस्थान विधानसभा में संसदीय लोकतंत्र और जन अपेक्षाएं विषय पर आयोजित सेमिनार के दौरान कही थी। इसी तरह एक बात उन्होंने यह भी कहा था, कभी-कभी मन करता है कि राजनीति ही छोड़ दूं। समाज में और भी काम हैं,

जो बिना राजनीति के किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा था, महात्मा गांधी के समय की राजनीति और अब की राजनीति में बहुत अंतर आया है। बापू के समय में राजनीति देश, समाज और विकास के लिए होती थी। लेकिन, अब राजनीति सिर्फ सत्ता पाने के लिए होती है।

गंगा स्नान को जा रहे श्रद्धालुओं से भरा मैजिक टेंपो पलटा, नौ हुए गंभीर घायल, अलीगढ़ रेफर

एटा के जलेसर क्षेत्र के गांव गोधरा से एक मैजिक टेंपो में सवार होकर श्रद्धालु राजघाट गंगा स्नान को जा रहे थे। गांव असोई के पास अचानक अनियंत्रित होकर टेंपो पलट गया। जिससे वहां चीख पुकार मच गई।गंगा स्नान के लिए राजघाट जा रहे श्रद्धालुओं से भरा एक मैजिक टेंपो जलेसर मार्ग स्थित गांव असोई के निकट सोमवार की सुबह पलट गया। हादसे में नौ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घायलों को

उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां से चिकित्सकों ने घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।सोमवार की सुबह एटा के जलेसर क्षेत्र के गांव गोधरा से एक मैजिक टेंपो में सवार होकर श्रद्धालु राजघाट गंगा स्नान को जा रहे थे। गांव असोई के पास अचानक अनियंत्रित होकर टेंपो पलट गया। जिससे वहां चीख पुकार मच गई। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को उपचार के सीएचसी सिकंदराराऊ पहुंचाया। चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

ये हुए घायल

हादसे में मुकेश कुमार पुत्र गनपत लाल, सुखदेवी पत्नी प्रमोद कुमार, राधा देवी पत्नी भरत सिंह, सत्यवती पत्नी अनिल, भरत पुत्र कुशल सिंह, रंजन सिंह, मदनलाल निवासीगण गांव गोधरा, सुधा पत्नी शिवकुमार निवासी निधौली कला एटा, अवधेश पुत्र लोकेश निवासी राजगढ़ जलेसर एटा घायल हुए हैं।

खरगे के घर पर विपक्षी दलों की बैठक, टीएमसी भी शामिल; राहुल के बयान से नाराज उद्धव गुट का बहिष्कार

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर एक-समान विचारधारा वाले दलों के विपक्ष के नेताओं की बैठक शुरू हो गई है। खरगे के घर पर जारी बैठक में लगभग सभी प्रमुख विपक्षी नेता मौजूद हैं। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई दिग्गज नेता मौजूद हैं।इस दौरान

राहुल की सांसदी जाने और सरकार को घेरने के मुद्दे पर रणनीति को लेकर चर्चा हुई। बैठक में तृणमूल कांग्रेस समेत कई कई दलों ने हिस्सा लिया। हालांकि, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने इस बैठक का बहिष्कार किया। इसकी वजह सावरकर पर राहुल गांधी के बयान से नाराजगी बताई जा रही है।इससे पहले सोमवार सुबह संसद में रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में भी टीएमसी शामिल हुई। पार्टी ने राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ और अदाणी मामले पर निकाले गए विपक्ष के मार्च में भी हिस्सा लिया।बैठक और प्रदर्शन में दोनों सदनों के तृणमूल कांग्रेस के नेता नहीं, बल्कि पार्टी के दो सांसद शामिल हुए। सरकार मौजूद थे। तृणमूल कांग्रेस लंबे समय बाद कांग्रेस द्वारा बुलाई गई विपक्षी दलों की किसी बैठक और प्रदर्शन में शामिल हुई है।

संपादकीय Editorial

Race for need

'I (God) am in all beings. No matter what the name or colour, everyone has the same ability and everyone has equal respect. All are mine No one is high or low according to the scriptures. What pundits say is a lie. We have lost our way by getting entangled in the imaginary division of upper and lower castes. This confusion should be removed.' These are the words of Dr. Mohan Bhagwat, Sarsanghchalak of the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) engaged in the project of building a Hindu nation. He was speaking on the occasion of an event related to Saint Raidas. RSS is the parent organization of many organizations apart from BJP and all of them are helping it in achieving its goal. No doubt this is the latest attempt by Hindu nationalists to woo Dalits. The difficulty of the RSS is that on the one hand it wants to maintain pre-modern caste and gender relations, on the other hand it needs to woo these classes to implement its agenda. The thinking of the RSS regarding caste has been changing. One of the reasons behind the establishment of the RSS was the struggle of the downtrodden to break the shackles of the landlord-Brahmin nexus. It was in response to the non-Brahmin movement, which aimed to oppose the landlord-Brahmin alliance, that some of the elites came together to form this institution. The RSS's view of caste was first presented by its second Sarsanghchalak, Madhav Sadashiv Golwalkar. He glorified Manusmriti and said that India had a golden past because the rules laid down in this book were followed at that time. In his book 'We or Our Nationhood Defined', he supported the varna-caste system. According to him, the caste system which has been rendered in this holy book (Manusmriti) is based on scientific principles. In the Sangh's unofficial mouthpiece 'The Organiser', it was presented in these words, 'If a developed society realizes that existing discriminations are due to scientific social structure and different classes represent different parts of the social body. So this diversity (i.e. the caste system) should not be considered a distortion.' Later, another prominent RSS ideologue Deendayal Upadhyay, who was also the president of the Jana Sangh, propounded the theory of 'Integral Humanism'. However, the deprived sections have started to understand the reality of Sangh's agenda. Now new theories are being presented about the origin of caste. -(suppress)

Society: Technology is changing lives, digital revolution is connecting the poor and the underprivileged with the mainstream

Digital revolution is empowering the lives of common citizens. It is changing the lives of the poorest and most marginalized sections. Until a few years ago, having access to technology was considered a great privilege and was confined only to the urban elite. People in rural areas found themselves completely unable to afford internet. Till the year 2014, only 25 crore Indians used to use the internet. This number increased to touch the figure of 84 crores in the year 2022. Earlier the cost of one GB data used to be around Rs 300, which has come down to around Rs 13.5 per GB. With the internet becoming cheaper, people started taking advantage of various services very easily. Prime Minister Modi's transformation of technology into a key tool in the fight against poverty has brought immense benefits to the people. Digital technologies have become an integral part of our lives. The trend of AI, 5G and quantum technology has increased so much that they are becoming mainstream now. India focused on creating public digital platforms that are available to all and created at scale. Thanks to Covin, India has given about 220 crore doses so far. Today 'Covin' has become an unprecedented example of making digital technology accessible to all the countrymen. Today across India street vendors, from small shops to large showrooms, QR code stickers for digital payments are seen. Using public funds, the government has created a platform that connects banks, insurance companies, e-commerce companies, MSMEs, start-ups and most importantly 120 crore people. Launched in the year 2016, UPI now handles $1.5 trillion worth of transactions every year. The average settlement time for each transaction is two seconds. This has increased transparency and convenience. This is the reason why India's UPI has now become a global standard for digital payments. The role of technology in making people's lives easier is increasing day by day. With 'FASTag', vehicles now ply on the highways without stopping. With the launch of 5G, the technology has taken a quantum leap and more than one lakh sites with 5G coverage have been installed in 481 districts. India is also continuously working towards becoming an exporter of 4G and 5G technology in the next three years. Now India is developing 'OCEN (Open Credit Enablement Network)', which will substantially increase the availability of loans across the country by converting the banking system into a 'cash flow-based credit system'. 'OCEN' will increase competition among different banks to lend to people, thereby reducing the cost of credit. As per Morgan Stanley estimates, this will increase the debt-to-GDP ratio from the current 57 per cent to 100 per cent by 2031. The digital and technology-driven revolution is empowering and transforming the lives of ordinary citizens. It is empowering the poorest and most marginalized sections and giving the country the ability to create something special through the creative thinking of the young and talented generation. The same model is now being replicated in various sectors, be it health sector, education sector, logistics, agriculture or defense sector. Platforms are being created on which the active eco system of start-ups or an enterprise can further develop the right solutions. In this era of global uncertainty, India has entered its 'Amrit Kaal'. Moving in this direction, India's G-20 Presidency under the visionary, decisive leadership of Prime Minister Modi will be a path-breaking one, during which public digital infrastructure will be shared with the world.

Worry: The decreasing number of elephants is alarming, the effect of climate change may increase

During 2001 to 2020, 1,330 elephants died in Assam. A research suggests that the effect of climate change may increase due to the decrease in the number of elephants. Therefore, there is a need to look at this figure seriously. Over the past few years, since the reel became popular through social media, there have been scenes of people with mobile phones running after elephants, or herds of elephants running towards people.

Such incidents have increased in the last few years. Recently, the Assam government presented a shocking figure in the assembly. The government said that 1,330 elephants have died in Assam from 2001 to 2022. This is an alarm bell. This is because, if research conducted in a US university is to be believed, then elephant is the only animal in the world that can save mankind from the effects of climate change. Ever since humans have started destroying forests with the help of sophisticated machines, since then the conflict between wildlife and humans has increased. Wild animals are not able to get food in the forest today. The natural reservoirs, puddles, ponds, rivers and canals that were inside the forest have started drying up. Small animals satisfy their hunger, but if any animal is facing the biggest problem, then it is the elephant. In such a situation where do wild animals especially elephants go. For this reason, the conflict between humans and elephants has increased in the last few years.

Assam is known in the country as an elephant state. This is the same Assam where Prime Minister Narendra Modi himself patted the government for not killing a single rhino last year. But the death toll of 1,330 elephants in the same state during two decades is a matter of concern for any wildlife lover and the entire humanity. According to the information tabled in the assembly, only 509 elephants died due to natural causes while 261 elephants died due to unknown reasons. 102 elephants died due to being hit by trains, while 65 elephants were killed by poisoning, while 40 elephants were hunted during this period. 202 elephants died due to contact with lightning, while 18 elephants were killed by lightning. Assam Forest Minister Chandramohan Patwari informed the House that the highest number of elephant deaths (107) occurred in 2013, followed by 97 in 2016 and 92 in 2014. On an average, more than 70 people and more than 80 elephants die in man-animal conflicts in Assam every year.

If we talk about the number of elephants in Assam at present, then only a little more than 5,700 elephants are left here. The minister did not just count the figures but also gave the reason that increasing human interference in the natural habitat of elephants has forced the animals to venture out in search of food, resulting in human-human conflict. It is noteworthy that at present there are 33 elephant sanctuaries in the country and they are spread over 1200 square kilometers. 12 August is celebrated as Elephant Day in the world. According to a report, according to the census of elephants done in 2017, the number of elephants in the country is about 30 thousand. A research found that elephants play an important role in making forests. They play a major role in sequestering more atmospheric carbon and maintaining the biological diversity of forests. The researchers found that elephant numbers are low and that if elephants become extinct, the effect of atmospheric carbon could increase. A study by researchers at St Louis University in the US has underlined the importance of elephants for the planet. Stephen, the senior author of this research, has spent much of his career studying elephants. Stephen and his colleagues are looking at the increased carbon footprint of the African country's rain forests because of the ecology of elephants. This means that as elephant numbers decline, the effects of climate change will increase. We should see the figures presented by the Assam government in the assembly as an alarm bell. The Union Ministry of Forests, Government of India, started Project Elephant in 1992 for the conservation of elephants. It needs to be strengthened and activated in the new context, so that the protection of the protectors of the earth is ensured.

The uproar of Khalistanis, time for India to show strictness

The way Khalistani supporters in Britain, Canada and America are creating havoc at India's diplomatic bases over the action of Punjab Police against fugitive Amritpal's associates, it seems to be the result of a well-planned conspiracy. Firstly, it is clear that Pakistan's hand is behind these crazy Khalistan supporters and secondly, it is also visible that the governments of Britain, Canada, America are not taking such action against them, as is necessary and expected. This is the reason why India has to express its objection to these countries. First, India expressed its protest to Britain, America on the incidents in London and San Francisco, then to the Government of Canada. India was absolutely right in saying that merely condemning the atrocities of Khalistanis is not going to work, action should also be taken against them. India has to ensure that the governments of these countries actually do this, because even if a handful of Khalistani supporters create trouble, they work to vitiate the atmosphere. The good thing is that the Sikh society of India is rejecting his insane antics. It seems that Khalistani active abroad are upset because the Sikhs of India are not giving any importance to their dirty activities. The work done by the Sikhs of India and especially Punjab by their moderate behavior to sabotage the intentions of Khalistanis active abroad, is less to be praised. On the one hand, the Government of India will have to ensure that the governments of Canada, Britain, America, etc., stop their Khalistanis from creating ruckus and spreading hatred against India, on the other hand, it will also have to be seen that Pakistan refrains from provoking these anti-India elements. Returns. There is no doubt that Khalistan supporters active in different countries are creating nuisance at the behest of Pakistan. They are sitting in Pakistan's lap, this is known from the fact that there is no mention of Pakistan anywhere in their concept of Khalistan. He also pretends to show that he does not know where Nankana Sahib and Kartarpur Sahib are located. They also deliberately ignore the ill-treatment meted out to Sikhs in Pakistan. There is nothing more strange than this that Pakistan is daydreaming to them in the name of Khalistan and they are happily watching it. Some Sikh leaders of Canada are also doing the work of seeing and showing this daydream, who have no knowledge of the ground reality of Punjab. Since such elements are getting the patronage of the Canadian government, India will have to show strictness.

अपरंपार है माता रानी की महिमा, भक्तों के दूर करती हैं हर तरह के कष्ट

मुरादाबाद- शहर के आशियाना स्थित ढाप वाले मंदिर का पौराणिक व धार्मिक महत्व है। सच्चे मन से जो भी भक्त मां के दरबार में आता है वह निराश होकर नहीं लौटता है। माता रानी अपने भक्तों के हर कष्ट को दूर कर लेती है। मान्यता है कि मंदिर में माथा टेकने के बाद कई भक्तों की झोली माता रानी ने खुशियों से भर दी हैं। कई भक्त तो ऐसे हैं, जिनकी मनोकामना पूरी हुई तो वह हर दिन मां के दरबार में हाजिरी लगाने आते हैं। मंदिर की स्थापना 1950 में हुई थी। उस वक्त यहां पर जंगल था। मंदिर की स्थापना पुजारी सांतर महाराज ने की थी।

कहा जाता है कि उनके स्वप्न में शिव पार्वती ने आकर दर्शन दिया और यहां पर मंदिर की स्थापना करने को कहा था। उसके बाद इस जमीन पर सबसे पहले पुजारी ने अपने गुरुजी की मूर्ति की स्थापना की। इसके बाद काली माता, शेरा वाली मां, शंकर भगवान, शिवलिंग, राम दरबार, हनुमान जी समेत कई देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की।इस मंदिर से जुड़ी एक चमत्कारिक बात है कि करीब 40-50 साल पहले एमडीए के लोग इस जमीन को खाली कराने आए थे, लेकिन मां की महिमा जानने के बाद वापस लौट गए थे। इसके बाद मंदिर का जीर्णोद्धार भी होता रहा। आज मंदिर ने भव्य रूप ले लिया है। सुबह-शाम भक्तों का मंदिर में तांता लगा रहता है। भक्तजन श्रद्धाभाव से मंदिर में आकर मां का आशीर्वाद लेते हैं। नवरात्र के दिनों में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला बढ़ जाता है। दोपहर बाद से लेकर शाम तक महिलाएं कीर्तन-भजन करती हैं।- सांतर महाराज, पुजारी, ढाप वाला मंदिर, आशियाना

लकड़ी कारोबारी से 1.75 लाख रुपये की लूट, बदमाशों ने दिनदहाड़े तमंचा दिखाकर घटना को दिया अंजाम

कुंदरकी(मुरादाबाद)- सोमवार दोपहर बाइक सवार बदमाशों ने डोमघर-मोहनपुर मार्ग पर लकड़ी कारोबारी को तमंचा दिखाकर 1.75 लाख रुपये लूट लिए। लूट की सूचना से पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। एसपी देहात संदीप कुमार मीना, क्षेत्राधिकारी सलोनी अग्रवाल और थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित से बातचीत कर घटना की जांच पड़ताल की। अख्तर अली उर्फ थनैत (50) पुत्र एवज निवासी ग्राम मोहनपुर ने बताया कि वह लकड़ी का कारोबार करते हैं। सोमवार दोपहर वह मुरादाबाद से अलग-अलग लोगों से लकड़ी के 1.75 लाख रुपये लेकर अपनी बाइक से घर आ रहे थे। उन्होंने बताया कि एक लाख रुपये बाइक की डिग्गी में रखे थे और 75,000 रुपये उनकी जेब में थे। जैसे ही वह ग्राम डोमघर से मोहनपुर जाने वाले मार्ग पर मुड़कर थर्माकोल फैक्ट्री से आगे करीब 200 मीटर दूर पहुंचे तभी पीछे से आ रहे पल्सर बाइक सवार दो बदमाशों ने ओवरटेक कर उनकी बाइक रोक ली और तमंचा दिखाकर पास की बगिया में ले गए। वहां डरा धमका कर सारे रुपये लूट लिए। बदमाशों ने बाइक की चाबी भी छीन ली और मोबाइल भी फेंक दिया। अख्तर अली ने बताया कि एक लुटेरे ने हेलमेट और दूसरे ने कैप लगा रखी थी। दोनों घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे एसपी देहात ने थर्माकोल फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी की जांच कराई तो उसमें 3:13 बजे पर पल्सर बाइक पर सवार दो लोग जाते दिखाई दिए हैं। इसके बाद पुलिस ने बिस्किट फैक्ट्री पहुंचकर आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसपी देहात संदीप कुमार मीना ने बताया कि लूट की सूचना पर घटना की जांच पड़ताल की गई है। सीसीटीवी फुटेज में दो लोग दिखाई दिए हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामोद्योग विभाग द्वारा मण्डल स्तरीय पुरस्कार समारोह का आयोजन किया

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद - जिला ग्रामोद्योग अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर युवा केन्द्र, सांई मन्दिर रोड़, दीनदयालनगर, मुरादाबाद में आज मण्डल स्तरीय पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। पुरस्कार हेतु गठित चयन समिति द्वारा मुरादाबाद मण्डल के अन्तर्गत जनपदो से आये माटीकला विधा के कारीगरों द्वारा बनाए गए कारीगरी द्वारा उनके उत्कृष्ट उत्पादों के आधार पर मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार हेतु प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हेतु चयन किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गोला प्रजापति जी के करकमलो द्वारा प्रथम पुरस्कार श्री गौरव कुमार प्रजापति, बिजनौर रु0 15000.00, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार श्री गुलाम रसूल, सम्भल रु0 12000.00, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी एवं तृतीय पुरस्कार श्री तारा सिंह, मुरादाबाद रु0 10000.00, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी वितरण किए गए। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के संयोजक परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी श्री भूपेन्द्र सिंह के साथ-साथ जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमरोहा, सम्भल एवं बिजनौर तथा जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

लापरवाही से युवक हाइड्रोफोबिया का शिकार, अब 72 घंटे का मेहमान

मुरादाबाद- अंधविश्वास और लापरवाही के कारण युवक हाइड्रोफोबिया (Hydrophobia) का शिकार हो गया। इसके खुलासा जिला अस्पताल में हुई जांच की रिपोर्ट में हुआ। इसके बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। हालांकि डॉक्टर ने मरीज को हाइड्रोफोबिया के पीड़ित बताते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। बताया कि मरीज ज्यादा से ज्यादा 72 घन्टे का ही मेहमान है। सोमवार को इंमरजेंसी वार्ड में बेरीखेड़ा निवासी भोजराज पूरी को बुखार का मरीज बताकर परीजनों ने अस्पताल में भर्ती करा दिया। डॉक्टर शकील ने युवक ने लक्षण संदिग्ध लगने पर उनकी जांच की गई। इसमें हाड्रोफोबिया की पुष्टि हुई है। बताया कि पूछताछ में बताया कि छह माह पहले युवक को कुत्ते ने काट लिया था, लेकिन एंटी रेबीज के इंजेक्शन नहीं लगवाए थे, बल्कि परिजनों ने बाबा से झाड़-फूंक करा दिया। अब जब हाइड्रोफोबिया के लक्षण दिखने लगे तो परिजन युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे। बताया साथ आए सभी परिवार के लोगो को भी एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया मरीज ज्यादा से ज्यादा 72 घन्टे का ही मेहमान है। इस हाइड्रोफोबिया का कही कोई इलाज नहीं है। और यह हालत मरीज की लापरवाही के कारण ही बनी है। पीड़ित मे लक्षण- कुत्ते का काटने पर चिड़चिड़ा होना बुखार आना मुंह से लार निकलना मांसपेशियों में जकड़न महसूस होना

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

संदिग्ध परिस्थिति में युवती की मौत, फंदे पर लटका मिला शव

बिलारी(मुरादाबाद)। ग्राम थांवला में युवती की संदिग्ध परिस्थित में मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे के सहारे पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव नीचे उतारा और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम थांवला निवासी यामीन रविवार की रात परिजनों के साथ घर में सोए हुए थे। घर के ही एक कमरे में उनकी 20 वर्षीया बेटी साबिया भी सोई थी। परिजन सुबह 3:30 बजे सहरी खाने उठे तो साबिया को आवाज दी। इस पर उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। तब उनके बेटा नदीम उसे देखने पहुंचा। जैसे ही कमरे का दरवाजा खोला तो साबिया का शव छत में लगे पंखे से फंदे पर लटका हुआ था। नदीम की सूचना पर दरोगा सुनील कुमार त्रिपाठी महिला पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। कोतवाली प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं।

जैन धर्मावलंबियों में खुशी की लहर दौड़ गई जब उन्हें मुनि श्री 108 अरह सागर जी महाराज के भव्य मंगल प्रवेश की सूचना प्राप्त हुई

प्रदीप कुमार गुप्ता

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-मीडिया प्रमुख सौरभ जैन ने बताया कि मुनि श्री जी का ओज का आकलन इसी से ज्ञात हो जाता है कि विश्व प्रसिद्ध संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी ने उन्हें सीधे ही मुनि दीक्षा दी है। श्री महावीर निर्माण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र जैन ने बताया कि बताया कि महाराज श्री ने 22 वर्ष की आयु में ही ब्रह्मचर्य और 23 वर्ष की आयु में उनकी दीक्षा हुई थी। मंत्री के.के. जैन जी ने बताया कि महाराज श्री का

विहार झारखंड के श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थराज से उत्तर प्रदेश के हस्तिनापुर तीर्थ की ओर गतिमान है। उनके आगमन की सूचना पर दौड़े दौड़े भक्त गण गांधी उद्यान के समीप पहुंचे और वहां भक्त जनों ने उनका पाद प्रक्षालन कर आरती की। बैंड बाजे के साथ उनका भव्य नगर प्रवेश हुआ, आज ही आज में महाराज श्री ने 40 कि.मी. का पैदल विहार किया। रास्ते में नाचते गाते भक्तों ने वातावरण को जयकारों से गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर मंदिर जी में रंगोली बनाई गई। इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने आशीर्वचन में कर्म की महिमा बताई, उन्होंने कहा कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने धर्म के 5क और ख के बारे में बताया है, क का अर्थ है कर्म करो, ख का अर्थ है, तभी खाने के बारे में विचार करो। शाम 7 बजे महाराज श्री ने शंका समाधान का कार्यक्रम किया। इस मौके पर सत्येंद्र जैन, अनुभव जैन, आर.सी.जैन, राजकुमार जैन, सुधीर मित्तल, राजेंद्र जैन, उषा जैन, सुशील जैन, राजीव राजेश जैन, सतीश चंद जैन, शिवानी जैन, शालिनी जैन, डॉ उषा , रीता विजय रानी, त्रिशला आशा जैन, सुनीता जी.एल. अरोड़ा, सुमन अरोड़ा, सत्येंद्र जैन एड., संजय जैन, देवेंद्र जैन सुदीप जैन पंडित जी आदि भक्तजनों ने उत्साह उमंग के साथ आयोजन में हिस्सा लिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

हिप्पोस्टोर्स ने लुधियाना में अपने चौथे स्टोर का किया उद्घाटन

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना -हिप्पोस्टोर्स, सभी निर्माण और निर्माण सामग्री आवश्यकताओं के लिए भारत की प्रमुखवन - स्टॉपशॉप, ने ग्लोबल बिजनेस पार्क में लुधियाना में अपने चौथे स्टोर का उद्घाटन किया है। स्टोर 10,000 वर्ग फुट में फैला है और 70 से अधिक ब्रांड के 12,000 से अधिक उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जो घर के मालिकों, ठेकेदारों और दुकानदार के लिए थोक मूल्य पर उपलब्ध है। यह आउटलेट उन 27 नियोजित स्टोरों में से चौथा है, जो अगले पांच वर्षों के भीतर देश भर में

खुलने वाले हैं। हम इन सभी को हल करने की कोशिश कर रहे हैं।हमारी स्थापना के बाद से, दिल्ली एनसीआर में स्टोर्स को बाजार और ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलीहै, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ग्राहक सभी निर्माण सामग्री के लिए एक-स्टॉप समाधान की तलाश कर रहे हैं। लुधियाना में नए स्टोर के अनूठे तत्वों में कई मॉक अप मॉड्यूलर किचन होंगे, ताकि किचन के लिए जगह का सर्वोत्तम उपयोग हो सके।अपनी तरह का पहला, हिप्पो की कलर लैब, और टिनिंगरूमभी अग्रणी ब्रांडों कीटिनिंग मशीनों के साथ उपलब्ध हैं, ताकि किसी भी रंग का चयन किया जा सके जो ग्राहक चाहता है। लॉन्च के बारे में बात करते हुए, लुधियाना में हिप्पोस्टोर्स के फ्रेंचाइजी पार्टनर, रण देव इंफ्रा के शमन शर्मा ने कहा, मुझे हिप्पोस्टोर्स को लुधियाना में लाकर खुशी हो रही है और हम अपने ग्राहकों को उनकी सभी बिल्डिंग और निर्माण सामग्री की जरूरतों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करते हैं। हमारा स्टोर प्रमुख ब्रांड के उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला, हमारे इन-स्टोर सलाहकार, और घर-निर्माण की सभी जरूरतों के लिए एक-स्टॉप समाधान है। हम अपनी अद्वितीय सेवा और गुणवत्ता के साथ लुधियाना समुदाय और पूरे पंजाब के लोगों की सेवा करने के लिए तत्पर हैं।

सीटी सागा में सीटी यूनिवर्सिटी ने जीती सर्वश्रेष्ट ट्रॉफी

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना - डिपार्टमेंट ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर, सीटी यूनिवर्सिटी ने सीटी ग्रुप के सदस्यों के लिए सीटी सागा द फैकल्टी फेस्ट का शानदार आयोजन किया। सदस्यों का उत्साह देखने लायक था। सीटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, शाहपुर में सीटी ग्रुप के सभी परिसरों, विभागों और क्षेत्रों के सदस्यों के लिए आयोजित इस खास उत्सव में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने फैशन वॉक, गायन, नृत्य और स्किट प्रतियोगिताओं में भाग लिआ। प्रतिभागियों और दर्शकों के बीच जोश और खुशी देखने लायक थी। सीटी यूनिवर्सिटी की टीम ने डांस, सिंगिंग और स्किट में पहला स्थान हासिल किया जबकि फैशन शो में दूसरा स्थान हासिल कर सीटी सागा 2023 की ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम की। वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह ने सभी परिसरों से विभिन्न विजेताओं की घोषणा की।
उन्होंने कहा कि सीटी परिवार के सदस्यों को मंच पर अद्भुत प्रदर्शन कबिलिये तारीफ है। प्रत्येक ने बहुत अच्छा काम किया है और विजेताओं को बधाई भी दी। इस अवसर पर सीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी, को-चेयरपर्सन परमिंदर कौर, प्रो चांसलर डॉ. मनबीर सिंह, तनिका सिंह और वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह के साथ साथ सीटी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर (ऑफ़) डॉ. सतीश, रजिस्ट्रार सरबप्रीत सिंह, उप निदेशक, छात्र कल्याण विभाग दविंदर सिंह साउथ कैंपस सीटी ग्रुप के निदेशक डॉ. गुरप्रीत सिंह, रिसर्च एंड इनोवेशन के निदेशक उपस्थिति थे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण हेतु सुपरवाइजरों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
गौरेला पेंड्रा मरवाही- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार आगामी 1 अप्रैल से छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 किया जाना है। इसके लिए प्रारंभिक तैयारियों के तहत आज जिला पंचायत (डीआरडीए) के नर्मदा सभाकक्ष में सुपरवाइजरों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित की गई। प्रशिक्षण में कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया ने कहा कि यह महत्पूर्ण कार्य होगा। इस कार्य में सुपरवाजरों की बड़ी जिम्मेदारी है। इसे पूरी गंभीरता के साथ सावधानी और इमानदारी से करना है। सर्वेक्षण के दौरान एक भी परिवार नहीं छूटना चाहिए। सर्वे के दौरान किसी तरह की तकनीकी समस्या होने पर तत्काल समाधान के लिए प्रत्येक ब्लॉक के लिए तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्य सुगमता के लिए तीनो तकनीकी अधिकारियों को ब्लॉकवार व्हाट्सअप ग्रुप बनाने कहा गया। इसके साथ ही रिजर्व प्रगणक दल भी रखने को भी कहा गया ताकि विषम परिस्थिति में सर्वे का कार्य प्रभावित नहीं हो। प्रशिक्षण में मास्टर्स ट्रेनर्स द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से सुपरवाइजर स्तरीय नोडल लाजिंग पेज में ऑनलाइन प्रपत्र भरने के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के तहत मकानों की नम्बरिंग, प्रपत्र डाउनलोड, विकल्प चयन, नाम, खाता नम्बर, लिंग, वर्ग, आयु, मोबाइल, ई-केवाईसी के तहत बैंक खाते को आधार से लिंक करने आदि के बारे में बताया गया।
प्रगणक दलों द्वारा सर्वे के दौरान निर्धारित प्रपत्र में जानकारी भरने हेतु उन्हे आवश्यक सूची जैसे प्रधानमंत्री आवास, पीडीएस राशन कार्ड, किसान पंजीयन उपलब्ध कराने कहा गया।

कुदरगढ़ महोत्सव का हुआ आगाज: पहले दिन पारंपरिक लोक संगीत की धुन पर झूमे लोग

स्कूल शिक्षा मंत्री, संसदीय सचिव, प्रतिनिधियों ने किया दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
सूरजपुर- सूरजपुर अंचल की अधिष्ठात्री देवी मां बागेश्वरी के धाम में तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव का रविवार देर शाम से आगाज हो गया। पहले दिन ख्याति प्राप्त कलाकारों ने अलग-अलग विधाओं में महोत्सव में समां बांध दिया। पारंपरिक लोग संगीत की धुनों के अलावा क्लासिकल डांस और भजनों पर लोग झूमते रहे। इस दौरान डॉ. पूर्णाश्री राउत क्लासिकल ओडिसी डांस, ओम अग्रहरि नन्हा सितारा एवं कला केंद्र सूरजपुर की प्रस्तुति, नासिर खान सूफी गायक, बीजीएम म्यूजिकल ग्रुप, दिलीप षडंगी भजन सम्राट, आमा पान के पतरी, करेला पान के दोना रायगढ़ सहित अन्य नामचीन कलाकार जगराता कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसमें कलाकारों ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मनमोहक संस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी लोगों ने गीत संगीत का आनंद उठाया। कुदरगढ़ महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, कार्यक्रम

की अध्यक्षता कर रहे संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े सहित स्थानीय प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन एवं राजगीत के साथ प्रारंभ हुआ। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े सहित प्रतिनिधियों ने चैत्र नवरात्रि की बधाई शुभकामनाएं दी तथा सूरजपुर अंचल की अधिष्ठात्री देवी मां बागेश्वरी से जिला, राज्य, देश सभी के लिए सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने स्वागत किया तथा कुदरगढ़ी माता रानी से सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध क्लासिकल नृत्यांगना डॉ. पूर्णाश्री राउत ने शानदार प्रस्तुति देकर मंच का मान बढ़ाया। मास्टर ओम अग्रहरि नन्हा सितारा एवं कला केंद्र सूरजपुर की प्रस्तुति, नासिर खान सूफी गायक, बीजीएम म्यूजिकल ग्रुप, दिलीप षडंगी भजन सम्राट, आमा पान के पतरी करेला, पान के दोना रायगढ़ सहित अन्य नामचीन कलाकार जगराता के साथ ही भजन और लोक पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति देकर प्रदेश की कला और संस्कृति की बखूबी प्रस्तुति दी। सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। महोत्सव के उद्घाटन अवसर छत्तीसगढ़ राज्य उर्दू बोर्ड के सदस्य श्री इस्माइल खान, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नरेश राजवाड़े, श्रीमती भगवती राजवाड़े, डीडीसी, बीडीसी, जनप्रतिनिधि गण, कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू, एसईसीएल महाप्रबंधक श्री अमित सक्सेना, जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, कुदरगढ़ मेला अध्यक्ष श्री भुवन भास्कर प्रताप सिंह, ट्रस्ट के सदस्य, नागरिक गण, प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। तीसरे दिन 28 मार्च को संजय सुरीला सरगुजा, हाय रे सरगुजा नाचे फेम, पारंपरिक नृत्य समूह एचडी इवेंट फिलर प्रस्तुति, आरू साहू सिहावा सुआ बोलत हे फेम छत्तीसगढ़ी लोक गीत मुख्य आकर्षक के केन्द्र होंगे। सभी कार्यक्रम शाम 6 बजे से प्रारंभ होंगे। कुदरगढ़ महोत्सव में इसके अतिरिक्त पारंपरिक नृत्य, मानस मंडली एवं विविध खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है।

कलेक्टर ने बाग के हमले में हुए घायलों से की मुलाकात एवं स्वास्थ्य अमला को बेहतर उपचार के दिए निर्देश

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
सूरजपुर- पुलिस विभाग, वन विभाग और राजस्व के मैदानी अमले को लोगों के सुरक्षा के मद्देनजर विशेष दिशा निर्देश दिए कुदरगढ़ महोत्सव में 27 मार्च को आयोजित होने वाले संध्याकालीन संस्कृतिक कार्यक्रम किए गए स्थगित सूरजपुर के विकासखंड ओड़गी के ग्राम कालामंजन में बाघ ने तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया था। घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी से जिला चिकित्सालय सूरजपुर रिफर कर दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी में एक व्यक्ति समय लाल की मृत्यु हो गई। दो घायलों

को जिला अस्पताल सूरजपुर में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है घायल मरीजों को देखने के लिए कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा जिला अस्पताल पहुंची और घायलों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने हेतु स्वास्थ्य अमला को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कैलाश पिता बालसाय स्थिति सामान्य नहीं होने की स्थिति को देखते हुए उसे अम्बिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर करने के निर्देश दिए। जहां उनकी भी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएस सिंह, सिविल सर्जन अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आरके त्रिपाठी को घायलों का बेहतर चिकित्सा सुविधा देने हेतु निर्देशित किया। जहा वाइल्ड लाइफ की टीम मौके पर पहुंचने के बाद बाघ को रेस्क्यु कर जंगल के अंदरूनी इलाके में पहुंचाया जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चल रहे कुदरगढ़ महोत्सव के 27 मार्च को आयोजित होने वाले संध्याकालीन संस्कृतिक कार्यक्रम ओड़गी क्षेत्र के ग्राम कालामंजन में बाघ की मौजूदगी होने के कारण स्थगित कर दिया गया है, तथा सभी को सूचित किया गया है कि क्षेत्र में स्वयं सावधान रहें और दूसरे को भी सावधान रहने अवगत कराएं।

संक्षिप्त समाचार

आई.एम.ए.सेंट्रल काउंसिल एवं स्टेट काउंसिल के लिए कई डाक्टर हुऐ चयनित

निशाकांत शर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-गत दिवस आई.एम.ए. की एटा ब्रांच एक जनरल बॉडी मीटिंग अध्यक्ष डा.आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में निज निवास पर संपन्न हुई ! इस बैठक में सर्वसम्मति एवं ध्वनिमत से डा. श्याम सिंह शाक्य एवं डा.शैलेंद्र जैन को आई.एम.ए. की सेंट्रल काउंसिल तथा डा.अनुराग प्रकाश गुप्ता, डा.ललित कांत वार्ष्णेय एवं डा.राहुल वार्ष्णेय को आई. एम.ए. की स्टेट काउंसिल के लिए चयनित किया गया ! सभी नवचयनित सदस्यों को आई.एम. ए.सचिव डा.ऋषभ सक्सेना ने बधाई दी ! बैठक में डा विनोद लालवानी, डा.ओ.पी. वार्ष्णेय,डा. वी.के.गुप्ता, डा. वीरेंद्र पाल,डा. निर्मल जैन, डा.भगवान शरण, डा. हरिओम गुप्ता,डा.रूपा जैन, डा.हरीश गुप्ता, डा.हर्षवर्धन बिसारिया, डा. पी.के .मित्तल,डा. राजेश सक्सेना,डा ए के सक्सेना,डा मोहित गुप्ता, डा अंशुल गुप्ता, डा निधि गुप्ता, डा पल्लवी गुप्ता,डा वैभव गुप्ता,डा अभिषेक गुप्ता एवं डा आशीष तोमर आदि मौजूद रहे

राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर

निशाकांत शर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, एटा की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर रोज एके डमी स्कूल, आगरा रोड, एटा में चल रहा है। शिविर के सातवें और अंतिम दिन आज दिनांक 26 मार्च 2023 को कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और उनके समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। स्वयंसेविकाओं निधि सोलंकी, अंजली कुमारी तथा मीनू ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने एन.एस.एस. की शपथ ली और एन.एस.एस. गीत प्रस्तुत किया। शिविरार्थियों ने एन.एस.एस. क्लैप द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। पुष्प गुच्छ, उत्तरीय एवं स्मृति चिन्ह द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। आज सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों श्री संजय यादव, श्रीमती जया गुप्ता तथा डॉ. रत्नेश कुमार मिश्र ने कार्यक्रम अध्यक्ष एवं अतिथियों के समक्ष इस सात दिवसीय शिविर के दौरान अपनी-अपनी इकाइयों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

आज के कार्यक्रमों की श्रंखला में गीत,समूह गान और भाषण के अंतर्गत पहली प्रस्तुति अंजली कुमारी की थी। उन्होंने एक राष्ट्र भक्ति गीत प्रस्तुत कर शिविरार्थियों में देशप्रेम का उत्साह जगाया। दूसरी प्रस्तुति समूह गान की थी। इस समूह गान में श्वेता यादव, कनक तिवारी तथा समीक्षा शर्मा के साथ सभी श्रोताओं ने अपने स्वर मिलाए। तीसरी क्रम पर प्रियांशु भारद्वाज ने राष्ट्र

प्रेम के गीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। चौथी क्रम पर गीता यादव ने नारी सशक्तिकरण पर भाषण प्रस्तुत किया। पांचवीं प्रस्तुति नेहा का भाषण था जिसके माध्यम से उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके उपरांत पोस्टर प्रदर्शन खंड का आयोजन हुआ जिसमें निधि सोलंकी, नेहा, खुशबू, खुशी, मीनू और लोकेश ने पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सड़क सुरक्षा और जी-20 तथा भारत का नेतृत्व विषयों पर बहुत सुंदर और प्रेरणादायक पोस्टरों का प्रदर्शन किया।

बाघ ने किया हमला, 2 की मौत, एक घायल

युवक को पंजे में दबाए रखा; खुद को बचाने ग्रामीणों ने टाइगर को मारी कुल्हाड़ी

रामचंद्र जायसवाल

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर- बाघ के हमले से एक की मौके पर ही मौत हो गई थी। दूसरे युवक की इलाज के दौरान मौत हुई है। सरगुजा संभाग में बाघ का आतंक लगातार जारी है। इस बार बाघ ने सूरजपुर जिले में 3 लोगों पर हमला कर दिया। जिससे 2 की मौत और एक युवक घायल हुआ है। हमला करने के बाद उसने एक को तो अपने पंजे में दबाए रखा था। जिसके चलते मौके पर उसने दम तोड़ दिया। वहीं मृतक के साथ मौजूद 2 अन्य युवकों ने बाघ पर कुल्हाड़ी से वार किया है। मामला ओडगी क्षेत्र का है। कालामांजन का रहने वाले समय लाल (32), कैलाश सिंह (35) और राय सिंह (30) सोमवार सुबह पास के जंगल में लकड़ी बीनने गए थे। सुबह 6 से 6.30 बजे के करीब अचानक से वहां पर टाइगर आ गया। उसने तीनों पर हमला कर दिया।घायल होने पर भी नहीं छोड़ा बाघ ने सबसे

पहले समय लाल को पंजे में दबा लिया था। उसके साथियों ने उसे छुड़ाने का प्रयास किया तो कैलाश के शरीर से मांस नोच लिया। ये देख कैलाश और राय सिंह ने कुल्हाड़ी से बाघ पर हमला किया। बाघ घायल भी हुआ, पर उसने कैलाश और समय लाल पर हमला करना नहीं छोड़ा।

इलाज के दौरान दूसरे की मौत

घटना के बाद राय सिंह किसी तरह से वहां से भागा और उसने गांव वालों को सूचना दी। सूचना मिलते ही गांव के लोग जंगल में पहुंचे। फिर कैलाश और राय सिंह को अस्पताल में ले जाया गया।

वहां से उनकी हालत को देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। वहां इलाज के दौरान कैलाश की भी मौत हो गई है।

बाघ उसी

जंगल में मौजूद

इसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई थी।

जिसके बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। घायल बाघ अब भी जंगल में मौजूद है। रेस्क्यू करने के लिए अंबिकापुर से टीम को बुलाया गया है। गांव के लोगों को भी जंगल की तरफ नहीं जाने की सलाह दी गई है।स्कूलों में छुट्टी

उधर, वन विभाग ने ओड़गी ब्लॉक के लिए एक आदेश

भी जारी किया है। आदेश में प्राचार्यों से कहा गया है कि बच्चों को स्कूल आने से मना करें। इस संबंध में बीईओ ने आदेश जारी किया है। माना जा रहा है कि यह वही बाघ है, जो पिछले दिनों बलरामपुर में घूम रहा था। वहां भी इसने काफी आतंक मचाया था और कई जंगली जानवरों का शिकार किया था। फिलहाल वन विभाग बाघ पर नजर बनाए हुए है।

नवरात्रि पर देवी मंदिरों पर उमड़ रही है, श्रृद्धालुओं की भीड़

प्रदीप कुमार गुप्ता

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-रिठौरा- चैत्र नवरात्रि के मौक़े पर देवी मन्दिरों पर लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को भुमसेन मंदिर पर माता कात्यायनी देवी की विशेष पूजा-अर्चना हुई।इस पुनीत कार्य में मंदिर महन्त शत्रुघ्न मिश्रा, अंकुर मिश्रा, कीर्ति उपाध्याय, सचिन

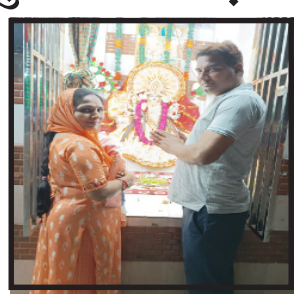

मिश्रा, प्रीति मिश्रा, मयंक मिश्रा,नेहा मिश्रा, भूमि मिश्रा, मिथलेश मिश्रा,सुरेश चन्द्र मिश्रा, प्रदीप कुमार गुप्ता,वर्षा गुप्ता, सिद्धार्थ प्रदीप, वशिष्ठ प्रदीप आदि मौजूद रहे।

हर जाति धर्म को लाभ दिलाना हमारी प्राथमिकता- अध्यक्ष नूर विजन फाउन्डेशन

निशाकांत शर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- नूर विजन फाउन्डेशन मारहरा गेट एटा द्वारा असहाय एवं गरीब लोगों की मदद के लिये जनहित में एक कैम्प मोहल्ला इस्लाम नगर में लगाया गया। जिसमें गरीब एवं असहाय लोगों की नि:शुल्क मदद हेतु दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, गरीब स्कूली बच्चों के लिये जाति, आय, मूल निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य सेवायें एवं पम्पलेट बांटकर जानकारियॉ प्रदान की गयी। फाउन्डेशन के अध्यक्ष मो0 सोहिब ने लोगों से अपील करते हुये कहा कि हमारे द्वारा जनहित में बिना किसी जाति वर्ग के भेदभाव के नि:शुल्क कैम्प का आयोजन किया जाता है। जिसमें दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन,

गरीब स्कूली बच्चों के लिये जाति, आय, मूल निवास प्रमाण पत्र आदि कार्य नि:शुल्क कराये जायेंगे। किसी भी प्रकार का किसी से रूपया नहीं लिया जायेगा। हमारा उद्देश्य हर जाति धर्म के पात्र लोगों तक जन सुविधाओं को पहूँचाना है। बहुत से असहाय एवं जरूरतमंद लोग ऐसे देखे जाते हैं जो जानकारी के अभाव में सरकार से मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। जिनके लिये हमारा फाउन्डेशन परिवार हर सम्भव उनकी समस्याओं का समाधान कराने का पूर्ण रूप से प्रयास करेगा। परवेज अली सचिव द्वारा बताया कि हर पात्र लाभार्थी को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जायेगा। जिसमें पेंशन सम्बन्धी प्रकरण, असहाय लोगों की मदद के लिये उनकी समस्याओं का सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क कर निस्तारण कराने के लिये पूर्ण प्रयास किया जायेगा। ट्रस्टी मो0 हारून एवं अबरार अली ने सभी लोगों को योजनाओं सम्बन्धी जानकारी की पम्पलेट बांटते हुये कहा कि किसी भी समस्या के लिये आप ट्रस्ट परिवार से सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हमारा ट्रस्ट का उद्देश्य असहाय एवं गरीबों के हित में कार्य करना है जोकि निरन्तर जारी रहेगा। जिसमें मौके पर काफी लोगों द्वारा अपनी पेंशन प्रकरण आदि से सम्बन्धित समस्यायें फाउन्डेशन के समक्ष रखी। जिसके लिये फाउन्डेशन परिवार द्वारा उनको समाधान कराने का पूर्ण किया जायेगा। हर वर्ग और धर्म के लोग हमसे सम्पर्क कर सकते हैं। इस दौरान शिविर पर जानकारी उपलब्ध कराने वालों में मुख्य रूप से ट्रस्ट के अध्यक्ष मो0 सोहिब, सचिव परवेज अली, कोषाध्यक्ष सवा एवं ट्रस्टीगण तौसीफ, हारून, अबरार जाहिद एवं अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे

लूट की योजना बनाते ,03 गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-कासगंज,पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देश पर थाना कासगंज पुलिस एवं एस ओ जी की संयुक्त कार्यवाही में अपराध शून्य की नीति पर चलाए जा रहे विशेष अभियान में मुखबिर की खास सूचना पर जियाउद्दीन पुर से थोड़ा पहले बंद पड़े भट्टे पर पहुंच कर पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया जिस उन्होंने पुलिस पर फायर खोल दिया पुलिस ने भी हवाई फायर करते हुए तीन बदमाशों को मुठभेड़ के बाद घेर कर गिरफ्तार कर लिया , उनके नाम आकाश उर्फ

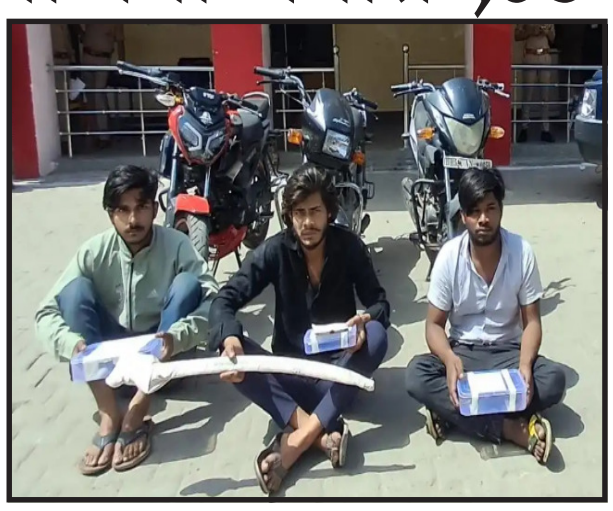

अंधेरा पुत्र मूलचंद निवासी आफीसर्स कालौनी कासगंज,2.राज सिसौदिया पुत्र दिनेश सिसौदिया निवासी श्री नाथ पुरम कालौनी कासगंज,03.चंदन ठाकुर पुत्र राधेश्याम निवासी गंगेश्वर कालौनी ,पाल नगर को 02तमन्चे 315बोर, 04जिन्दा कारतूस 315 बोर , तथा 02 खोखा कारतूस 315 बोर, एक तलवार , तथा तीन मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया। इनका एक साथी आशीष उर्फ आंशू पुत्र राकेश कुमार नि. सूर्य नगर कालौनी कासगंज अंधेरे का लाभ उठा कर भागने में सफल बताया जाता है , पुलिस ने मुअसं 218/2023 , भादंवि की धारा 307, 3/4/ 25/27 ,आर्म्स एक्ट एवं मुअसं 217/23 के अन्तर्गत धारा 411 के तहत कार्यवाही शुरू कर दी बताई जाती है। कड़ाई से की गई पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि 21.3.23 को इन्होंने चांडी चौराहे पर एक व्यक्ति से 1600 रु , एक वीवो मोबाइल , और आधार कार्ड लूट लिए थे। अभियुक्त आकाश पर थाना कासगंज और थाना सोरों पर 05,चंदन पर थाना कासगंज में 06, तथा राज सिसौदिया पर 02 मुकदमे संगीन धाराओं में दर्ज बताए जाते हैं।-डॉ विनय शौनक कासगंज।

पशुओं का उपचार पशु पालकों के द्वार- विधायक

अरविन्द कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- सरकार ने उत्तर प्रदेश के पशुपालकों को बड़ा तोहफा प्रदान किया गया है। प्रदेश भर के पशुपालकों को टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 पर फोन करने के उपरांत घर बैठे उनके पशुओं का उपचार की सुविधा मिल सकेगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा लखनऊ में किया गया, जिसमें 201 करोड़ रुपये की लागत से 520 मोबाइल वेटरिनरी यूनिट का फ्लैग ऑफ करते हुए शुभारंभ किया गया। जिनका लाभ उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में प्राप्त होने जा रहा है। इस कड़ी में जिले में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके मुख्य अतिथि विधायक रामफेरन पाण्डेय थे,और कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने किया। जिसमें लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया।

तत्पश्चात जनपद की वेटरनरी मोबाइल यूनिट को विधायक एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया । इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडे ने जनपद के पशु चिकित्सा अधिकारियों का आह्वान करते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा आज पशुपालकों के लिए यह महत्वपूर्ण योजना प्रारंभ की है। इस महत्वाकांक्षी योजना का जनपद के समस्त पशुपालकों को भरपूर लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 पर पशुपालकों के द्वारा जो कॉल की जाए उनका तुरंत संज्ञान लेते हुए घर बैठे पशुपालकों को पशुओं का इलाज संभव कराया जाए, इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पशुपालकों के लिए बड़ी योजना मोबाइल वेटरनरी यूनिट 'पशुओं का उपचार पशु पालकों के द्वार' का शुभारम्भ किया गया है। उन्होने सभी वेटरनरी यूनिट कि मोबाइल टीमों को निर्धारित कार्यक्रम के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत तीन मोबाइल वेटरिनरी यूनिट निर्धारित रूट पर प्रतिदिन सुबह 08 बजे से अपरान्ह 02 बजे तक संचालित होंगी तथा अपातकालीन सेवा के लिए 01 एम0यू0वी0 प्रातः! 08 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित की जायेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) डी0पी0 सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 मानव, आशुतोष पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चन्द सहित प्रशासन/विकास/पशुपालन विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कठपुला से बच्ची को उठाया, ऑटो में की दुष्कर्म की कोशिश, जनता ने पकड़ कर पीटा

लवकुश ठाकुर-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ़ महानगर के बन्नादेवी क्षेत्र में कठपुला से नाबालिग बच्ची को ऑटो चालक ने अगवा कर एलमपुर गड़िया के पास ले जाकर दुष्कर्म की कोशिश की। समय रहते बच्ची के शोरशराबे पर एकत्रित पब्लिक ने आरोपी को दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी के दूसरे समुदाय से जुड़ा होने की सूचना पर पूर्व मेयर भी पीड़ित बच्ची के समर्थन में थाने पहुंच गईं और कार्रवाई की मांग को लेकर अधिकारियों से बातचीत की। मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची को मेडिकल परीक्षण व अन्य कार्रवाई के लिए चाइल्ड लाइन को सौंपा गया है। मूल रूप से पटना बिहार का एक परिवार कठपुला पर झुग्गी में रहता है। इसी परिवार की 12 वर्ष की बच्ची को एक ऑटो चालक कठपुला से बरगलाकर अपने साथ ले गया और जीटी रोड पर एलमपुर के पास सड़क सहारे ऑटो में ही दुष्कर्म की कोशिश की। शोर पर उसका गला दबाकर मारने की कोशिश की। बच्ची की चीख पुकार पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और आरोपी को दबोचकर बच्ची को बचाया गया। पब्लिक ने आरोपी को जमकर पीटा। खबर पर लोधा व बन्नादेवी दोनों थानों की पुलिस पहुंच गई। आरोपी को बच्ची सहित थाने लाया गया। इस सूचना पर पूर्व मेयर शकुंतला भारती आदि लोग भी थाने आ गए। पीड़ित परिवार के समर्थन में कार्रवाई की मांग करने लगे। जहां अधिकारियों ने उन्हें समझाकर शांत किया। इस बीच चाइल्ड लाइन को बुलाया गया और बच्ची को उनके सुपुर्द कर मेडिकल आदि की कार्रवाई होने तक उसे चाइल्ड लाइन के सुपुर्द किया गया। इस मामले में एसपी सिटी कुलदीप सिंह गुणावत ने बताया कि मामले में आरोपी मछली वाली गली सराय रहमान के सलमान को गिरफ्तार कर अपहरण व दुष्कर्म की कोशिश में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा चौकी प्रभारी की ओर से लिखा गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

नहीं मिला बच्ची का परिवार, पुलिस बनी वादी

इस घटना में बच्ची ने पूछताछ के आधार पर बताया कि उसका परिवार कठपुला के पास ही झुग्गी में रहता है। मगर पुलिस को तलाशने पर परिवार नहीं मिला है। इस आधार पर पुलिस के रसलगंज चौकी प्रभारी संजीव कुमार की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है। अब बच्ची ने किस आधार पर परिवार के कठपुला पा रहने की जानकारी दी है। इसकी तस्दीक करने में देर रात तक एक टीम लगी थी। कठपुला पर रहने वाले भिच्छू परिवारों व आसपास के अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही थी।

विधायक ने किया 'युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- विकास खण्ड इकौना अन्तर्गत कटरा श्रावस्ती स्थित चौधरी राम बिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज में नेहरू युवा केंद्र श्रावस्ती के सौजन्य से ''युवा उत्सव'' कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी, नेहरू युवा केन्द्र कोमल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राम फेरन पाण्डेय ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर व द्वीप प्रजवलित कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विधायक श्रावस्ती राम फेरन पांडे ने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार युवाओं के उज्जवल भविष्य हेतु प्रतिबद्ध है। युवा मण्डल के सदस्यों को चाहिए कि ग्रामीणों को योजनाओं के बारे में जानकारी दे, मण्डल की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरुप कार्यों को हाथ में लेता है अथवा नहीं। स्थानीय संस्कृति, कला, खेल, समस्या आदि की पहचान कर तदनुरुप कार्ययोजना बनाई जाना चाहिये। कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, गरीबी उन्मूलन, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वयंसेविता, युवा नेतृत्व, जीवन कौशल शिक्षा एवं मतदाता जागरुकता जैसे मुद्दे भी युवा मण्डलों को अपने हाथ में लेना चाहिये। नेहरु युवा केन्द्र संगठन एवं युवा मण्डल आन्दोलन का उद्देश्य केवल समस्याओं की पहचान नहीं अपितु समस्याओं के समाधान में युवा मण्डलों की भूमिका सुनिश्चित करना है। वहीं इस दौरान विभिन्न बिंदुओं पर प्रतियोगिताएं कराई गई, जिसमें भाषण प्रतियोगिता में शिवांगी शुक्ला प्रथम, स्नेहा शर्मा द्वितीय, अंकिता यादव तृतीय, चित्रकला प्रतियोगिता में शांति देवी पांडे प्रथम, आकांक्षा सिंह द्वितीय, नीतू वर्मा तृतीय, कविता प्रतियोगिता में दिक्षिक्ता पांडे प्रथम, सविता देवी द्वितीय, अंशिका सोनी तृतीय, फोटोग्राफी में स्वप्निल चौधरी प्रथम, वीरेंद्र जायसवाल द्वितीय, निश्चल श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रही। सांस्कृतिक कार्यक्रम ग्रुप डांस में सुशीला राणा प्रथम, सोनिका पटेल द्वितीय एवं उन्नति तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि नेहरू युवा केंद्र का उद्देश्य युवाओं को जागृत करना है, जिससे वह अपने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में सक्षम हो सके। और आपसी भाईचारा बनाकर जीवन जीने की उनमें कला हो सके। इस मौके पर कई विभागों के स्टाल भी लगाए गए थे, जिसमें इंडियन बैंक कटरा, इफको फर्टिलाइजर, स्वास्थ्य विभाग, स्काउट गाइड तथा एनसीसी के बच्चों ने स्टाल लगाकर अपनी जिज्ञासा प्रबल की। इस दौरान सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाशित फोल्डर/प्रचार साहित्य ''सुशासन, विकास, रोजगार-डबल इंजन की सरकार' का वितरण कर आम जनमानस को जागरूक किया गया। इस अवसर पर आशुतोष पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चन्द्र, जिला युवा कल्याण अधिकारी कृष्ण स्वरूप मिश्रा, प्राचार्य धर्मेंद्र गुप्ता, प्रधानाचार्य मुन्ना लाल यादव, कादंबिनी, अनिल कुमार राजेश कुमार, प्रशांत तिवारी, नवीन चौधरी सहित नेहरू युवा केंद्र के सदस्यगण तथा प्रतिभागी बच्चे मौजूद रहे।

कार्यकत्रियों ने सीएमओ कार्यालय पहुंचकर किया प्रदर्शन

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- स्वास्थ्य विभाग योजनाओं के संचालन की धुरी कही जाने वाली आशा कार्यकर्ता व आशा संगिनी इन दिनों आर्थिक समस्या से जूझ रही हैं। क्योंकि सरकार की ओर से प्रति माह मिलने वाली प्रतिपूर्ति राशि करीब 15 महीने की उन्हें नहीं मिला है। प्रतिपूर्ति राशि भुगतान को लेकर सभी कार्यकर्ता सीएचसी से लेकर सीएमओ कार्यालय का चक्कर काट रही हैं। लेकिन जिम्मेदार कुछ सुनने को भी तैयार नहीं हैं। आशा कार्यकर्ता व आशा संगिनियों ने सीएमओ कार्यालय में प्रदर्शन कर बकाया भुगतान की मांग की। आशा कार्यकर्ता सुबह सीएमओ कार्यालय पहुंची और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन डीसीपीएम को सौंपा। आशा कार्यकर्ताओं ने कहा कि वह क्षेत्र में पूरी मेहनत से कार्य करती हैं। इससे सरकार की ओर से प्रतिपूर्ति राशि दी जाती है जिससे उनका घर खर्च चलता हैं। वर्ष 2021 में पांच महीने का, वर्ष 2022 में करीब आठ महीने और वर्ष 2023 में अब तक प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इससे आशा कार्यकर्ता, आशा संगिनी का परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, कुष्ट उन्मूलन कार्यक्रम, जाननी सुरक्षा योजना, मातृत्व वंदना योजना आदि को लेकर वह स्वास्थ्य विभाग का बराबर सहयोग करते हुए पूरी निष्ठा से कार्य कर रही हैं। बावजूद इसके उनका भुगतान नहीं किया जा रहा है। अधीक्षक से लेकर वीसीपीएम की ओर से भुगतान न होने का कारण तक नहीं बताया जा रहा है। कभी नेटवर्क तो कभी डोंगल का हवाला देकर मांग को टाला जा रहा है। इस मौके पर आशा कमला , कस्तूरा रेनू संगिनी, सुमन सुनीता नीता माया पूनम आदि कार्यकत्री मौजूद रही।

आरक्षी की दुर्घटना में मौत

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-कासगंज,112 पर तैनात , पुलिस कर्मी 33 वर्षीय सुनील कुमार जो एटा के निवासी बताए जाते हैं की अपने कमरे पर जाते समय दुर्घटना से हुई मृत्यु के बाद पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने पुष्प चक्र अर्पित कर तथा अर्थी को कंधा देकर साथ ही क्षेत्राधिकारी सहावर दीप कुमार पंत ने और पुलिस सहकर्मियों ने कांधा देकर दिवंगत के प्रति सम्मान व श्रृद्धा सुमन अर्पित किए। सभी पुलिस अधिकारियों और सहकर्मियों के चेहरे से साथी के बिछुडने का भाव स्पष्ट नजर आ रहा था।

KKR handed over the command of the team to this Indian batsman, a big update on the fitness of Shreyas Iyer

Kolkata Knight Riders has appointed Nitish Rana as the acting captain of the team for IPL 2023. Nitish has the experience of captaining at the domestic level. Due to the injury of Shreyas Iyer, the KKR team had to take this decision. It is believed that Iyer will miss at least the first half of the league due to injury. Nitish became the new captain of KKR – Caribbean spin

bowler Sunil Narine was named in the race as a contender for the captaincy along with Nitish Rana. However, finally the Kolkata team has shown faith in the Indian batsman. Nitish has been with KKR since the year 2018 and has led the team to memorable victories in many matches. Nitish has played 91 matches in the Indian Premier League so far and during this time he has scored 2,181 runs with a strong strike rate of 134. Nitish has captained Delhi in the Syed Mushtaq Ali tournament and under his leadership the team won 8 out of 12 T20 matches. Shreyas Iyer will take time to recover - Kolkata Knight Riders' regular captain Shreyas Iyer is suffering from a back problem and is expected to undergo surgery. However, Iyer has decided not to undergo surgery as of now. In its statement issued by KKR, it is expected that Iyer will be able to play some matches in the tournament after recovering. Iyer's absence is a big blow for KKR. Punjab will clash in the first match - Kolkata Knight Riders team has to face Punjab Kings in their first match of IPL 2023 on 1 April. The team's performance last season was disappointing and under the leadership of Shreyas Iyer, the team ended the tournament at the seventh position. The team was able to win 6 out of 14 matches played in the tournament, while in 8 the team had to face defeat.

Dhawan got HIV test done at the age of 14-15, will not be able to stop laughing after knowing the reason

Dhawan has talked about his many tattoos, as well as the 'accident' that happened during the first tattoo. Dhawan told how the matter got worse during the first tattoo. Shikhar Dhawan is known for his cheerfulness. Whether on the field or off the field, Dhawan is always smiling and does not get bogged down by problems. This is the reason why when recently he was asked about Shubman Gill, he replied bluntly. Dhawan had said that Shubman deserves a place in the team. In an interview given to a channel, Dhawan talked about many more issues. During this, he also told many funny stories. The matter was spoiled in getting the first tattoo done- In fact, Dhawan is also known for tattoos apart from celebrating in a special way and flaunting his moustache. Dhawan has told many times that tattoos are a part of his personality. Dhawan talked about his many tattoos in the interview, as well as the 'accident' that happened during the first tattoo. Dhawan told how the matter got worse during the first tattoo. Read the full story here- Dhawan told- When I was 14-15 years old, I went to Manali and got my back tattooed without informing my family members. I had to hide it for a long time, about three-four months and then when my father came to know, he beat me up. After getting the tattoo done, I was a little scared because I had no idea how many other tattoos had been done with the needle that was used to get the tattoo done. Then I went and got my HIV test done and till date it is negative (laughs). What did Dhawan say about the tattoo- Dhawan said- My first tattoo, on my back, was a Scorpio, because at that time, it was my idea. Then I made a design on it. I also got Lord Shiva tattooed on my arm. I also got Arjun's tattoo done. He was our best archer. At present, Dhawan is out of the Indian team. The team management has chosen young will play options as openers. However, Dhawan Punjab Kings. Indian Premier League (IPL) 2023 for What did Dhawan He is also the captain of Punjab Kings. Shubman- Dhawan say on was asked that if he was the selector or captain of the team, for how long would he give himself a chance? In response to this, the former captain said- I think Shubman was already playing in both Test and T20 formats and was doing really well. If I was a selector, I would have also given Shubman a chance. When asked whether he would prefer Shubman over himself? Even on this Dhawan said yes. Dhawan wants to keep Khadu ready for any charisma- Dhawan also said that he wants to keep himself ready for any 'charisma' that may happen in future, so that he can be called back to the Indian team. At this point, he just wants to keep working hard so that he is ready for whatever opportunities come his way. Dhawan said- Even if the opportunity does not come, I will not regret in my heart that I did not prepare myself. I want to do whatever is in my hands.

'Party me two drinks ho gayi to...', Virat reveals his drinking habits; Anushka was shocked

Virat Kohli works hard to keep his body fit. However, very few people know that Virat used to drink earlier too. He himself has disclosed this in front of Anushka Sharma. India's legendary batsman Virat Kohli is one of the fittest players at present. Known for his brilliant batting, Kohli also inspires the youth regarding fitness. He works hard to keep his body fit. However, very few people know that Virat used to drink earlier too. He himself has disclosed this in front of Anushka Sharma. Kohli gave an interview during the Indian Sports Honor Award ceremony. During that time wife Anushka Sharma was also with him. During this, both answered many funny questions. Kohli admitted that he enjoyed every moment of his youth and was a big foodie. He also revealed that he used to party a lot before he shifted his focus to fitness. During this, he used to dance while having a drink. Kohli was asked this question- During the rapid-fire round, Kohli and Anushka were asked, "Who is rocking the dance floor?" To which Anushka pointed to Kohli. Virat was taken by surprise and looked at Anushka and said, "Kya main dance floor pe dhamaal machata hoon?" Kohli then narrated a story from the olden days. He told how he used to have fun at parties. "I didn't care about anyone" – Kohli said, "I don't drink anymore, but if I had two drinks after entering the party first, then yes. Meaning then it used to happen that people did not want to see me there. After two or three drinks then I didn't care about anyone. However, this is no longer the case at all. It has become a matter of old days. "Anushka Sharma was surprised to hear this answer of Virat and she also laughed. Virat0- Kohli is currently in Bengaluru in the RCB camp. He is busy preparing for the upcoming season with his IPL team Royal Challengers Bangalore (RCB). The franchise organized the RCB Unbox event on Sunday. During this, RCB launched its new jersey. Two former RCB legends Chris Gayle and AB de Villiers were present at the event. RCB will start their campaign against Mumbai Indians on April 2 at home ground M Chinnaswamy Stadium.

These stars are doctors not only in reel but also in real life, know how they stepped into films leaving doctorate?

Acting is an art that lets you mold yourself into every character. Whatever your profession, being an artist you can change your profession in minutes. From police officer to doctor, you can live that profession anytime. In today's article, we are going to tell you about those actors and actresses, who are doctors not only in reel but also in real life and along with acting, they have played an important role in social welfare as well. Mohan Agashe- Bollywood's veteran artist Mohan Agashe is not dependent on any identity today. Mohan is known for his roles in films like 'Trimurti', 'Jolly LLB' and 'Rang De Basanti'. Let us tell you that Mohan is a professional psychiatrist. He has practiced in India and New York. Mohan tries his best to spread awareness on psychological problems. Aditi Govitrikar- Bollywood actress and beautiful model Aditi Govitrikar has also won the title of Mrs. India. Aditi has worked with

King Khan in the film Paheli. Apart from this, she has also appeared in Akshay Kumar's film 'De Dana Dan'. Let us tell you that Aditi has practiced medicine before appearing in films. Even today, she definitely puts doctor in front of her name. Palash Sen- Famous singer and actor of the film industry, Palash Sen has a strong fan following on social media. Palash has his own music band. Apart from Bollywood, Palash has also spread the magic of his acting in Bengali films. Let us tell you that before appearing in films, Palash was a doctor and used to contribute to public welfare. However, after appearing in films, he gave more attention to music. Vineet Kumar- Bollywood's famous actor Vineet Kumar is known for his campaign. Vineet has been seen in the movies 'Saand Ki Aankh' and 'Mukkabaaz'. Let us tell you that Vineet got success in the Combined Medical Pre-Test and after that he also topped the medical college. Vineet holds the degree of Doctor of Medicine in Ayurveda. Not only this, Vineet also has a license to practice.

'Kahiin To Dil Laga Lo' fan advised Samantha to date, the actress looted the party like this

South Hasina Samantha Ruth Prabhu is in discussions about her upcoming film 'Shakuntalam'. The actress has been seen promoting the movie vigorously in both Hyderabad and Mumbai. At the same time, now Samantha has come in the limelight due to a reply given to her fan on Twitter. Actually, a fan appealed to Samantha to date someone. The statement given by the actress on this is winning hearts. On March 26, a fan made a personal request to Samantha via tweet. The fan said that it was not his right to ask, but still asked Samantha to move on in life and date someone. Samantha was also seen replying to this fan's tweet. The actress wrote, 'Who will love me like you do.' Along with this, the actress also added a heart emoji. It may be noted that 'Shakuntalam' by Samantha Ruth Prabhu is a period drama. This film has been directed by Gunasekhar. 'Shankutalam' is all set for its grand release on 14th April, 2023. Recently, Samantha Ruth Prabhu had expressed claim about her character in this film. The actress had said, Shakunta- she has faith, she is true in her love, in her devotion. Even in the toughest parts of her journey, she bears it with great dignity. I am really happy to play this character. I am sure the audience will be proud of this film. Let us inform that the period drama film 'Shankutalam' is based on Kalidasa's popular play 'Abhigyana Shakuntalam'. It also stars Madhu, Gautami, Aditi Balan, Dev Mohan, Jisshu Sengupta, Mohan Babu and Ananya Nagalla in pivotal roles along with Samantha. Samantha Ruth Prabhu was on a break due to her illness. However, he is now all set to make a strong comeback. The actress will also be seen in the film 'Kushi'. Also, she has started shooting for her upcoming web series 'Citadel', in which she will be seen opposite Bollywood star Varun Dhawan.

Bhakt Veer Hanuman's saga will be released after 'Adipurush', Bhojpuri star Khesari announced

After 'Adipurush', the good news of the release of Bhakt Veer Hanuman's saga has come to the fore. It has been announced by Bhojpuri star Khesari. Khesari Lal Yadav's new Bhojpuri film 'Veer Hanuman', who is called the hit machine of Bhojpuri cinema, has been announced. Through this film, the trio of Khesari Lal Yadav, producer Ratnakar Kumar and director Parag Patil is going to be seen once again.

Khesari Lal Yadav's Bhojpuri film 'Farishta' was released on Holi. Liked the character of Khesari Lal Yadav in this film. These days Khesari Lal Yadav is shooting for many films, in which he will be seen in different roles. Bhojpuri cinema superstar Khesari Lal Yadav's another Bhojpuri film 'Veer Hanuman' has been announced. The film is being produced by producer Ratnakar Kumar, owner of Worldwide Records Music Company and the director of the film is Parag Patil. Producer Ratnakar Kumar shared the poster of the film on his Instagram Half of 'Veer Hanuman' is visible in the poster of the film. The same entire poster is full of vermilion. It is being told that Khesari Lal Yadav will be seen in a different avatar in Bhojpuri film 'Veer Hanuman'. The rest of the cast of the film will be finalized soon. The shooting of Bhojpuri film 'Veer Hanuman' will start by the end of this year. These days Khesari Lal Yadav is busy shooting for many Bhojpuri films. These days Khesari Lal Yadav is shooting for the patriotic film 'Rang De Basanti' in Kashmir. This is the third film of Ratnakar Kumar director Parag Patil, producer of Bhojpuri film 'Veer Hanuman'. Earlier all three have worked together in Bhojpuri film 'Sangharsh', while 'Sangharsh 2' is about to release. 'Veer Hanuman' will be Khesari Lal Yadav's sixth film with the film's director Parag Patil. Apart from these films, director Parag Patil has directed Khesari Lal Yadav in Bhojpuri films like 'Litti Chokha', 'Aashiqui' and 'Bol Radha Bol'.

Allu Arjun's dialogue 'Pushpa Jhukega Nahi' was not in the original film, Shreyas Talpade's shocking revelation

Famous dialogues 'Pushpa Jhukega Nahi' and 'Flower Nahi, Fire Hai Main' from Allu Arjun's film 'Pushpa' are used by people all the time, but actually they were not a part of the film. The film 'Pushpa: The Rise' directed by Sukumar proved to be a super hit among the audience. This blockbuster film brought a new identity to Allu Arjun. The film also gave many dialogues like 'Pushpa Jhukega Nahi' and 'Flower Nahi, Fire Hai Main' along with brilliant songs like 'Om Antawa' and 'Srivalli'. These dialogues of the film are still on people's lips, but do you know that the dialogue which people use all the time, was actually not from the original Telugu film 'Pushpa'. Dialogue changed in dubbing- Actually, this dialogue was made while dubbing the film in Hindi. This was revealed by actor Shreyas Talpade, who dubbed for Allu Arjun in the Hindi version of 'Pushpa: The Rise'. In a recent interview, the actor has made this shocking disclosure. He revealed that a lot of the original dialogues were improvised during dubbing. This was the original dialogue – Shreyas revealed that the literal translations were not done during dubbing in the original film. The literal translation of Allu Arjun's popular dialogue was 'Pushpa Jayega Nahi' but to make it more impactful we made it 'Pushpa Jhukega Nahi' and then you all know how popular this dialogue became. It was not a part of the film. Dialogue- At the same time, Shreyas Talpade told that another iconic dialogue of the film is 'Flower Nahi, Fire Hai Main'. Wasn't part of the original film. We made changes during dubbing and even after a year people speak this dialogue. In fact, our aim was actually that instead of doing a literal translation, we improvised it in a way that would retain the essence of the character and also be remembered by the audience.